

Q 8 Answer

जल विज्ञान के अन्तर्गत वर्षा तथा अक्षांश का अध्ययन किया जाता है। जल-मती का उपभोग बहुत उद्वेगीय परिभाषनाओं के बिना होता है जिसका मुख्य उद्देश्य ही कायान्तरण तथा निष्पन्न तथा विद्युत-राक्ति उत्पादन करना है। जल का वाष्पन तथा अवसर्पण प्राकृतिक प्रक्रिया है जिस कारण जल मती का ससा एवं सुलभ स्रोत है। जल शक्ति संयंत्रों के स्थल पर जल को एकत्रित का लिया जाता है जिससे संयंत्रों में जल की आपूर्ति पर वर्ष प्राप्त हो सके।

Rainfall: - यदि वर्षा के जल की एक स्थान पर एकत्र कर लिया जाए और उसके पूर्व उसमें किसी प्रकार का दास न हुआ हो तो इस एकत्रित जल को मात्रा का आवकूलन किती दाल मात्रा का जलशक्ति से प्राप्त किया जा सकता है। उपरोक्त कल्पना के अनुसार

वर्षा का आकलन वर्षा जैतों द्वारा किया जाता है। यह निम्नलिखित दो प्रकार की होती है।

- (i) पठनीय वर्षा जैत
- (ii) अपठनीय वर्षा जैत